भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**राज्य सभा**
लिखित प्रश्न सं. 1254
गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

**पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु निधि**

**1254 श्री नरेश बंसल:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पर्यटन की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य सरकार को दी जा रही सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वीकृत बजटीय आवंटन का योजना-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई योजना बनाने का विचार है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): हालांकि पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने उत्तराखंड राज्य में अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत 2 परियोजनाओं और 'प्रशाद' योजना के तहत 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और उत्तराखंड राज्य में 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

भारत सरकार ने 'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25' (एसएएससीआई) के अंतर्गत उत्तराखंड में एक पर्यटन परियोजना भी स्वीकृत की है।

उत्तराखंड राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रशाद, एसडी 2.0 और एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची अनुबंध में दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों एवं महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्य सरकारों को सहायता आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से एक पर्यटक गंतव्य के रूप में भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से भी उत्तराखंड और इसके उत्पादों सहित विभिन्न पर्यटक गंतव्यों का संवर्धन करता है।

********

**अनुबंध**

श्री नरेश बंसल द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु निधि के संबंध में दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1254 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

**उत्तराखंड राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रशाद, एसडी 2.0 और एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची**

| क्र. सं. | योजना | विषय और स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वदेश दर्शन | इको परिपथ 2015-16 | नए गंतव्य के रूप में टिहरी झील और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए इको-पर्यटन, साहसिक खेल और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास-जिला टिहरी | 69.17 |
| 2. | | विरासत परिपथ 2016-17 | कुमाऊं क्षेत्र में विरासत परिपथ- कटारमल - जोगेश्वर-बैजनाथ-देवीधुरा का एकीकृत विकास | 76.32 |
| 3. | प्रशाद | 2015-16 | केदारनाथ का एकीकृत विकास | 34.77 |
| 4. | | 2018-19 | बदरीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास | 56.15 |
| 5. | | 2021-22 | गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ संबंधी अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार | 54.36 |
| 6. | एसडी 2.0 | 2023-24 | 'गुंजी में ग्रामीण पर्यटन क्लस्टर एक्सपीरियन्स' | 32.20 |
| 7. | | 2023-24 | 'टी गार्डन एक्सपीरियन्स' | 11.21 |
| 8. | 'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25' | 2024-25 | 'प्रतिष्ठित शहर ऋषिकेश: राफ्टिंग बेस स्टेशन' | 100.00 |

*****